नैदानिक मनोविज्ञान (**Clinical Psychology**) मनोविज्ञान की वह सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण शाखा है जो मानसिक रोगों, असामान्य व्यवहार और मनोवैज्ञानिक समस्याओं के अध्ययन और समाधान के लिए समर्पित है।

यहाँ इसका अर्थ और प्रकृति (Meaning and Nature) का विस्तृत विवरण दिया गया है:

---

1. नैदानिक मनोविज्ञान का अर्थ (Meaning)

नैदानिक (Clinical) शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द **'Kline'** से हुई है, जिसका अर्थ है **'बिस्तर' (Bed)**। ऐतिहासिक रूप से, इसका संबंध उन रोगियों से था जिनका इलाज बिस्तर के पास जाकर किया जाता था।

मनोविज्ञान के संदर्भ में, नैदानिक मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो **बौद्धिक, भावनात्मक, जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक** कारकों को एकीकृत करता है ताकि संकट (Distress) को समझा जा सके और व्यक्ति के व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके।

सरल शब्दों में: यह वह क्षेत्र है जहाँ एक मनोवैज्ञानिक विज्ञान, सिद्धांत और नैदानिक ज्ञान का उपयोग मानसिक विकारों (जैसे अवसाद, चिंता, सिज़ोफ्रेनिया) के निदान और उपचार के लिए करता है।

---

2. नैदानिक मनोविज्ञान की प्रकृति (Nature)

नैदानिक मनोविज्ञान की प्रकृति बहुआयामी है। इसे निम्नलिखित बिंदुओं द्वारा समझा जा सकता है:

(A) वैज्ञानिक आधार (Scientific Nature)

यह केवल अनुमानों पर नहीं, बल्कि कठोर वैज्ञानिक शोध पर आधारित है। एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक साक्ष्य-आधारित (Evidence-based) तकनीकों का उपयोग करता है। वे डेटा एकत्र करते हैं, परिकल्पना (Hypothesis) बनाते हैं और फिर उपचार शुरू करते हैं।

(B) नैदानिक और व्यावहारिक (Applied Nature)

यह मनोविज्ञान की एक 'व्यावहारिक' शाखा है। इसका मुख्य उद्देश्य सिद्धांतों को केवल किताबों में रखना नहीं, बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया के लोगों के दुखों को कम करने के लिए लागू करना है।

(C) मूल्यांकन और निदान (Diagnostic Nature)

इसकी प्रकृति 'डायग्नोस्टिक' है। इसमें व्यक्ति की समस्या की पहचान करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जाता है:

- **मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychological Tests):** जैसे IQ टेस्ट, पर्सनैलिटी टेस्ट।
- **नैदानिक साक्षात्कार (Clinical Interview):** रोगी से गहराई से बातचीत करना।
- **अवलोकन (Observation):** रोगी के व्यवहार को देखना।

(D) मानवतावादी दृष्टिकोण (Humanistic Approach)

यद्यपि यह वैज्ञानिक है, लेकिन इसकी प्रकृति अत्यंत संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण (Empathic) है। यह व्यक्ति को केवल एक "मरीज" के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान के रूप में देखता है जिसे अपनी क्षमता (Potential) को पहचानने के लिए मदद की जरूरत है।

(E) अंतःविषय क्षेत्र (Interdisciplinary Nature)

यह अन्य क्षेत्रों जैसे मनोरोग विज्ञान (Psychiatry), तंत्रिका विज्ञान (Neuroscience) और समाजशास्त्र के साथ मिलकर काम करता है। यह स्वीकार करता है कि मानसिक समस्या केवल मन की नहीं, बल्कि शरीर और परिवेश की भी हो सकती है।

---

3. नैदानिक मनोविज्ञान के मुख्य उद्देश्य

1. **व्यवहार को समझना:** व्यक्ति के असामान्य व्यवहार के पीछे के कारणों को जानना।
2. **मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाना:** केवल बीमारी को दूर करना ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाना।
3. **अनुकूलन (Adjustment):** व्यक्ति को समाज और परिवार के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में मदद करना।

---

4. नैदानिक मनोविज्ञान के महत्वपूर्ण चरण

चरण	कार्य
आकलन (Assessment)	समस्या की पहचान करना (साक्षात्कार और परीक्षण द्वारा)।
निरूपण (Formulation)	यह समझना कि समस्या क्यों और कैसे शुरू हुई।
हस्तक्षेप (Intervention)	थेरेपी के माध्यम से रोगी का इलाज करना।
मूल्यांकन (Evaluation)	यह देखना कि इलाज कितना प्रभावी रहा।

मुख्य तुलना: नैदानिक मनोविज्ञान बनाम परामर्श मनोविज्ञान (Counseling)

विशेषता	नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical)	परामर्श मनोविज्ञान (Counseling)
समस्या का प्रकार	गंभीर मानसिक विकार (जैसे मनोविकृति)।	दैनिक जीवन की समस्याएं (जैसे तनाव, करियर)।
कार्यक्षेत्र	अस्पताल, मानसिक स्वास्थ्य केंद्र।	स्कूल, कॉलेज, निजी क्लीनिक।
दृष्टिकोण	चिकित्सा मॉडल (Medical Model) पर आधारित।	विकास और रोकथाम पर आधारित।